प्रवेश मार्गदर्शिका–2024

(Information Brochure)

(ऑनलाइन अरजीपत्र भरने हेतु जानकारी एवं सामान्य सूचनाएँ)

गूजरात विद्यापीठ

आश्रम मार्ग, अहमदाबाद-380 009

प्रतीक

गूजरात विद्यापीठ का प्रतीक चिह्न खिलता हुआ कमल का फूल है। देवनागरी लिपि में लिखा है "सा विद्या या विमुक्तये" अर्थात ज्ञान वह है जो (हमें) मुक्त करता है। अरबी में लिखा है "अल हिकमतो झाल्लतूल मोमिने फहैसो वजदहा अहक्को बेहा।" अर्थात् समस्त ज्ञान को अपनी खोयी हुई वस्तु समझकर निःसंकोच ग्रहण कर लेना।

इस प्रतीक में एक बरगद का पेड़ है जो विकास का प्रतिनिधित्व करता है। वहीं चंद्रमा भी है जो सुंदरता, शांति और विकास का प्रतीक है। कमल अनासक्ति, शुद्ध आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है। वृत्त के दोनों ओर दीपक ज्ञान के प्रतीक हैं।

गूजरात विद्यापीठ की स्थापना स्वतंत्रता संग्राम के लिए की गई थी। राजनीतिक स्वतंत्रता अस्थायी थी लेकिन आत्म-मुक्ति और आत्मज्ञान के प्रति समर्पण हमारे स्थायी आदर्श हैं। यह भक्ति अनासक्ति की कमल भावना के साथ वट वृक्ष और चंद्रमा की तरह विकसित होनी चाहिए।

अस्वीकरण(Disclaimer)

गूजरात विद्यापीठ के पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण करने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिए संस्थान ने यूजीसी अध्यादेशों और गुजरात विद्यापीठ नियमों के अधीन इस प्रवेश मार्गदर्शिका को संकलित किया गया है। इस प्रवेश मार्गदर्शिका को तैयार करने में अधिकतम सावधानी बरती गई है। किसी भी विसंगति के मामले में यूजीसी के अध्यादेश और गूजरात विद्यापीठ के नियम अंतिम होंगे।

- कुलसचिवश्री, गूजरात विद्यापीठ

गूजरात विद्यापीठ

(डीम्ड टू बी युनिवर्सिटी)

(महात्मा गांधी जी द्वारा 1920 में स्थापित)

गांधीजी ने 1920ई.में भारत में देशव्यापी असहयोग आंदोलन शुरू किया था। इस आंदोलन के एक भाग के रूप में उन्होंने अंग्रेजी स्कूलों और कॉलेजों के बहिष्कार को विशेष स्थान दिया था। हालाँकिवे इस बहिष्कार के कार्यक्रम से पूर्णतः संतुष्ट नहीं थे। वे अहिंसक संघर्ष के साथ-साथ देश में सुधारवादी आंदोलन चलाने के भी पक्षधर थे। गांधीजी भारत में नई चेतना जागृत करनेके साथ लोगों को पूर्ण स्वराज के लिए भी तैयार करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने एकादश व्रत जैसे रचनात्मक कार्यक्रम भी समाज के समक्ष प्रस्तुत किए।इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया था। अंग्रेजी शिक्षा के बहिष्कार के आह्वान के साथ-साथ गांधीजी ने राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए सकारात्मक माहौल भी बनाया था। परिणाम स्वरूप, 1920 ई. में गांधीजी ने गूजरात विद्यापीठ की स्थापना की। गांधीजी शिक्षा के माध्यम से समाज में जनजागरूकता और समाजोत्थान चाहते थे। उन्होंने गूजरात विद्यापीठ से संबद्ध गुजरात महाविद्यालय के उद्घाटन व्याख्यान में कहा था कि 'मैंने सिर्फ एक मंत्र दिया है।यदि कोई वणिकपुत्र ऐसा कार्य कर सकता है तो मैंने एक ऋषि का कार्य किया है।' एक सदी के गौरवशाली इतिहास के साथ, गूजरात विद्यापीठ गांधीवादी विचार पर आधारित शिक्षा प्रदान करना जारी रख रही है। गूजरात विद्यापीठ में तीन एच (H)अर्थात् सिर(Head), हाथ (Hand) और हृदय (Heart) के माध्यम से छात्रों को समग्र रूप से शिक्षित किया जाता है। गांधीवादी मूल्यों को समर्पित गूजरात विद्यापीठ शैक्षणिक जगत और सामाजिक जीवन में पूरी तरह से निमग्नहोकरएक सदी से भी अधिक समय से निरंतर कार्यरत है।

गूजरात विद्यापीठ को 1963 से यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है। गूजरात विद्यापीठ की शुरुआत एक राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान के रूप में की गई थी। महात्मा गांधी ने 1948 तक गूजरात विद्यापीठ के कुलाधिपति (चांसलर) के रूप में कार्य किया। संस्थान का मुख्य उद्देश्य महात्मा गांधी द्वारा दिए गए आदर्शों के अनुरूप देश के उत्थान से संबंधित पहल के लिए चरित्रवान, ऊर्जावान और समर्पित कार्यकर्ताओं को तैयार करना है।

तदनुसार, गूजरात विद्यापीठ की शिक्षा प्रणाली में सामुदायिक कार्य, छात्रावास जीवन, समाज सेवा, समूह जीवन, पूजा, सरल और आत्मनिर्भर जीवन, कार्य अनुभव और क्षेत्र कार्य, श्रम और सफाई, कताई और औद्योगिक कार्यों में भागीदारी शामिल है। शिक्षा कार्यक्रम को ग्रामीण उत्थान की राष्ट्रीय आवश्यकताओं के साथ जोड़ा गया है, ताकि समाज के जमीनी स्तर पर शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके। गूजरात विद्यापीठ का मिशन शिक्षा के सभी पहलुओं में गांधीवादी विचार और मूल्यों को विकसित करने के लिए शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग करना है।

गूजरात विद्यापीठ के कुलाधिपतिश्री के रूप में महात्मा गांधी, सरदार पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, मोरारजी देसाई, रामलाल पारिख, डॉ. सुशीला नायर, नवीनचंद्र बारोट, नवलभाई शाह, रवीन्द्र वर्मा, नारायण देसाई, इला भट्ट काम कर रहे थे। वर्तमान में गुजरात राज्य के राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी कुलाधिपतिश्री के पद पर कार्यरत हैं।

ध्येय

१. विद्यापीठ का मुख्य कार्य महात्मा गांधी द्वारा बताये आदर्शों के अनुरूप देश का नवनिर्माण करने हेतु चरित्रवान, ऊर्जावान, संस्कारी एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं को तैयार करना है।

२. विद्यापीठ के संकाय और प्रशासक निष्पक्षता और अखंडता के समान उपकरणों को अपनाएँगे और लागू करने का प्रयास करेंगे।

३. विद्यापीठ द्वारा संचालित और मान्यता प्राप्त संस्थानों के प्रशासक और शिक्षक अस्पृश्यता को कलंक मानकर इसे मिटाने का प्रयास करेंगे और किसी भी बालक या बालिका को अछूत होने के आधार पर बाहर नहीं किया जाएगा या प्रवेश के बाद उसके साथ अनुचित व्यवहार नहीं किया जाएगा।

४. विद्यापीठ के संबंध में काम करने वाले शिक्षण कर्मचारी, प्रशासक और मान्यता प्राप्त संस्थान आदि रेटिन्या गतिविधियों में विश्वास रखने वाले और अनिवार्य कारण को छोड़कर नियमित रूप से खादी पहनने वाले होंगे।

५. विद्यापीठ में स्वभाषा को प्राथमिकता दी जायेगी और सारी शिक्षा स्वभाषा में दी जाएगी।

स्पष्टीकरण- दूसरी भाषा सीखने से उसी भाषा का उपयोग करना वर्जित नहीं है।

६. विद्यापीठ में राष्ट्रभाषा हिन्दी-हिन्दुस्तानी का आवश्यक स्थान होगा।

नोट: हिंदी-हिंदुस्तानी उत्तर में आम हिंदू-मुसलमानों द्वारा बोली जाने वाली और देवनागरी या फ़ारसी लिपि में लिखी जाने वाली भाषा है।

७. विद्यापीठ में औद्योगिक शिक्षा को बौद्धिक शिक्षा के समान महत्व दिया जाएगा और राष्ट्र के अर्जक उद्योगों को स्थान दिया जाएगा, अन्य को नहीं।

८. भारतवर्ष का उत्थान शहरों पर नहीं बल्कि गाँवों पर निर्भर है, इसलिए विद्यापीठ की अधिकांश सामग्री और विद्यापीठ के शिक्षक मुख्य रूप से गाँवों में राष्ट्रीय शिक्षा के प्रचार-प्रसार में उपयोग किये जाएँगे।

९. शिक्षा व्यवस्था तैयार करने में ग्रामीणों की जरूरतों को प्राथमिकता दी जाएगी।

१०. विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित संस्थाएँ सभी प्रचलित धर्मों का पूर्ण सम्मान करेंगी तथा विद्यार्थियों के आत्म-विकास की दृष्टि से धर्म, अहिंसा एवं सत्य का ज्ञान प्रदान करेंगी।

११. विद्यापीठ में लोगों के शारीरिक विकास अर्थात व्यायाम एवं शारीरिक श्रम का प्रशिक्षण आवश्यक माना जाएगा।

कुलपतिश्री की कलम से

प्रिय मित्रो,

ब्रिटिश शासन से आजादी के आंदोलन के हिस्से के रूप में 1920 में महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गूजरात विद्यापीठ में आपका स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

गूजरात विद्यापीठ की स्थापना के अनमोल क्षण में महात्मा गांधी ने इस कार्य की तुलना `ऋषिकार्य` (एक पवित्र कार्य) से की। इससे स्पष्ट है कि महात्मा 'मातृभूमि की सेवा को एक पवित्र कार्य' मानते थे। उस क्षण जो संकल्प और उद्देश्य देखे गए, वे भी 'राष्ट्रवाद की भावना से राष्ट्र की सेवा' के नाम से प्रतिध्वनित हुए। इसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से बताता है कि गूजरात विद्यापीठ युवाओं को आत्म-सम्मान और देश और समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ सशक्त बनाने के लिए काम करेगा। 104 वर्षों के अपने गौरवपूर्ण इतिहास में, गूजरात विद्यापीठ ने अपनी स्थापना में महात्मा गांधी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों का अच्छी तरह से पालन किया है।

सादा जीवन और उच्च विचार के गांधीवादी मूल्यों के पालन के अलावा, गूजरात विद्यापीठ में शिक्षा युवाओं के चरित्र निर्माण और समग्र विकास के पहलुओं को विशेष प्राथमिकता देती है, ताकि छात्र स्नातक के बाद रोजगार सृजन की दिशा में अपना स्वतंत्र रोजगार विकसित करने में सक्षम हो सकें। गूजरात विद्यापीठ छात्रों में प्रतिबद्धता, समाज सेवा की भावना और समग्र रूप से पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के गुणों को विकसित करने का भी ध्यान रखता है। मूल रूप से, उच्च शिक्षा समाज की भलाई, ज्ञान निर्माण और मौजूदा ज्ञान प्रणालियों के रखरखाव को प्रभावित करने वाले मुद्दों को संबोधित करती है। गूजरात विद्यापीठ छात्र को समाज और मातृभूमि के प्रति उसकी जिम्मेदारियों से अवगत कराने का पूरा ध्यान रखता है। गूजरात विद्यापीठ छात्रों को समय की माँग के अनुसार प्रशिक्षित और विकसित करने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना, सामाजिक सहभागिता शिविर, उद्योग सहभागिता जैसी गतिविधियों में संलग्न करता है।

विद्यापीठ का हरा-भरा परिसर शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों से जीवंत है जो छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, विद्वान शिक्षकों और प्रतिबद्ध सेवकों से जोड़े रखता है। हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुसार नियमित आधार पर कक्षा में सीखने, आत्म-सुधार, विस्तार और अनुसंधान कार्य पर जोर देते हैं।

गूजरात विद्यापीठ विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। जहाँ छात्र को बहु-विषयक, मूल्यवर्धित और कौशल बढ़ाने वाले पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला में से चुनने का मौका मिलता है।

समृद्ध पुस्तकालय, प्रकाशन गतिविधि, संग्रहालय, पुरातत्व मंदिर, भारतीय भाषा संस्कृति संस्थान, छात्रों को बौद्धिक क्षितिज के विस्तार का अवसर प्रदान करते हैं। इसके अलावा, सुंदर स्नानघर, खेल परिसर, स्वास्थ्य सुविधा हेतु स्वास्थ्य केंद्र, सभागार और मंडपम सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। गूजरात विद्यापीठ विद्यार्थी के सर्वांगीण एवंव्यक्तित्व विकास का अवसर प्रदान करता है।

दिनांक : 25-03-2024 (फाल्गुन सुदी पूनम)

स्थान : अहमदाबाद

डॉ. हर्षद ए. पटेल

कुलपतिश्री

प्रवेश कार्यक्रम- 2024

प्रवेश प्रक्रिया की व्यौरेवार अनुसूची निम्नानुसार है:

प्रवृति	तारीख, वार एवं समय
ऑनलाइन अरजी करने की शुरूआत	29.03.2024 (शुक्रवार) 04.00 pm से
ऑनलाइन अरजी करने की अंतिम तारीख	30.04.2024 (मंगलवार) 6.00 pm तक
GEETA (Gujarat Vidyapith Eligibility and Efficacy Test for Admission)	11.05.2024 (शनिवार)10.00 am परीक्षा केंद्र पर हाजिर होने का समय
GEETA के परिणाम की घोषणा	16.05.2024 (गुरुवार) 5.00 pm
परामर्शन और प्रवेश	24.06.2024 सोमवार से 26.06.2024 बुधवार के दरम्यान
गुरुपूर्णिमा सत्र शुरू होने की तारीख	01.07.2024 (सोमवार)

अस्वीकरण: केंद्र या राज्य सरकार या उसके विभागों की अधिसूचना या प्रतिकूल परिस्थितियों के अधीन इस अनुसूची में परिवर्तन किए जा सकते हैं।

आवेदन कैसे करें?

आवेदन प्रक्रिया में पालन किए जाने वाले चरण:

1. www.gujaratvidyapith.org प्रवेश पोर्टल पर अपने ईमेल (जीमेल) पते के साथ खुद को पंजीकृत करें।
   आवेदन करने के लिए लिंक https://gujaratvidyapith.org/admission/
2. आवेदन पत्र में माँगी गई पूरी जानकारी भरें।
3. सभी जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।
4. आवेदन पत्र जमा करें।
5. प्रवेश शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करें।
6. भरे हुए आवेदन पत्र को जाँचें और कन्फर्म बटन दबाकर सबमिट करें।
7. आवेदन संख्या और फॉर्म पंजीकृत ईमेल आईडी पर भेजा जाएगा।
8. आप अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

इससे पहले कि आप आवेदन पत्र भरना शुरू करें, आपके पास निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए:

1. आवेदक की ईमेल (जी मेल) आईडी,
2. आवेदक के पासपोर्ट साइज फोटो की स्कैन/डिजिटल कॉपी,
3. आवेदक का आधार कार्ड।

प्रवेश मार्गदर्शन

गुजरात विद्यापीठ में12वीं कक्षा के बाद 14 स्नातक पाठ्यक्रम, 3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, 19परास्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, 7 स्नातकोत्तर डिप्लोमा और विभिन्न विषयों में अनुसंधान कार्यक्रम चलाए जाते हैं।सभी पाठ्यक्रम नियमित पाठ्यक्रम हैं। गुजरात विद्यापीठ में पढ़ाई गुजराती भाषा में होती है।

पाठ्यक्रम विवरण:

गुजरात विद्यापीठ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) के आधार पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2024 में प्रवेश के लिए आवश्यक सीटों की संख्या और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता का विवरण निम्नानुसार है:

A. स्नातक (UG) पाठ्यक्रम (6 सेमेस्टर)

ए1. BA (गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र) (कुल सीटें 240)

ए2. B.Sc. (गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और माइक्रो बायोलॉजी) (कुल सीटें 120)

ए3 BCA(कुल सीटें 60)

ए4. BRS (ग्रामीण योजना एवं विकास) (कुल सीटें 60)

ए5. BPES (शारीरिक शिक्षा एवं खेल) (कुल सीटें 60)

शैक्षणिक योग्यता

- A1, A3, A4और A5में प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी स्ट्रीम में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण,
- A2 छात्र किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से विज्ञान स्ट्रीम में कक्षा-12उत्तीर्ण।

नोट- A3 में प्रवेश के लिए विनयन में सांख्यि की विषय आवश्यक है तथा A2 ग्रुप B में माइक्रो बायोलॉजी तथा ग्रुपA में गणित विषय आवश्यक है।

B. स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रम (4 सेमेस्टर)

बी1. एम.ए. (गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, योग) (प्रति विषय 60 सीटें)

बी2. एम.ए. गांधी अध्ययन (कुल सीटें 30)

बी3. एम.ए. (मानव संसाधन प्रबंधन) (कुल सीटें 30)

बी4. एम.एस.डब्ल्यू. (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) (कुल सीटें 60)

बी5. एम.लिब.आई.एससी. (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान) (कुल सीटें 30)

बी6. एम.जे.एम.सी. (पत्रकारिता एवं जनसंचार) (कुल सीटें 30)

बी7. एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी (कुल सीटें 50), पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कुल सीटें 20), भोजन एवं पोषण (कुल सीटें 30))

शैक्षणिक योग्यता

- B1, B7 प्रवेश हेतु मान्य विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक परीक्षा 50% या उसके समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण।
- B2,B3, B4, B5, B6 प्रवेश हेतु मान्य विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा 50% याउसके समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण।

C. व्यावसायिक (Professional) (4 सेमेस्टर)

CA: स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (विषयवार प्रवेश क्षमता(Intake) 100)

CA1. B.Ed. (गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान विषय पद्धति)

CA2. B.Ed. (हिंदी विषय पद्धति)

CA3. B. P. Ed.

शैक्षणिक योग्यता

- CA1 प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबद्ध विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर 50% या इसके समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण।
- सीए2 में प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी विषय में 50% या समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण।
- CA3 के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में 50% या समकक्ष ग्रेड के साथ स्नातक।

नोट- बी.एड. और बी.एड. (हिन्दी) द्वितीय विषय पद्धति में प्रवेश पाने के बाद प्रशिक्षु समूह के अनुसार चयन कर सकते हैं।

CB: परास्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

CB1. M.Ed.	(प्रवेश क्षमता(Intake) 50)
CB2. M.P.Ed.	(प्रवेश क्षमता(Intake) 50)
CB3. M.B.A. (ग्राम व्यवस्थापन)	(प्रवेश क्षमता(Intake) 32)
CB4. M.C.A.	(प्रवेश क्षमता(Intake) 60)

शैक्षणिक योग्यता

- CB1. प्रवेश के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एड. परीक्षा 50% या उसके समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण।
- CB2. प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.पी.एड. परीक्षा 50% या उसके समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण।
- 50% या समकक्ष ग्रेड परिणाम के साथ CB3., CB4. के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक।

नोट- CB4.में प्रवेश के लिए 12वीं या स्नातक स्तर पर गणित विषय आवश्यक है।

D. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम(2 सेमेस्टर) (विषयवार प्रवेश क्षमता (Intake)30)

पी.जी. डिप्लोमा: (योग, गांधी अध्ययन, विरासत प्रबंधन, ऑडियो विजुअल प्रोडक्शन, कंप्यूटर अनुप्रयोग)

शैक्षणिक योग्यता

- मान्य विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि।

नोट : केंद्र सरकार के अनुसार एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता में 5% की छूट होगी।

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुल्क:

पाठ्यक्रम	प्रवेश प्रक्रिया शुल्क (रु.)	एस.सी./एस.टी. उम्मीदवार के लिए शुल्क (रु.)
UG/PG/PG Diploma	500	400

प्रवेश पद्धति :

- प्रवेश परीक्षा CUET (UG) -2024 या CUET (PG) -2024 या गुजरात विद्यापीठ में
- प्रवेश के लिए गुजरात विद्यापीठ पात्रता और प्रभावकारिता परीक्षा (GEETA) में से किसी एक को उत्तीर्ण करना होगा।
- प्रवेश परीक्षा ओएमआर आधारित प्रकार की होगी।
- प्रवेश परीक्षा के संबंध में गुजरात विद्यापीठ द्वारा किसी भी प्रकार का कोई साहित्य या अध्ययनसामग्री प्रदान नहीं की जाएगी।
- उम्मीदवार द्वारा अपने खर्च पर चुने गए केंद्र पर प्रवेश परीक्षा के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थितहोना।
- प्रवेश परीक्षा गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाएगी।
- प्रवेश परीक्षा (गीता) में प्रश्नों की संख्या 60 और अवधि 90 मिनट होगी।

प्रवेश परीक्षा(GEETA) की संरचना:

UG/PG/PG Diploma पाठ्यक्रम हेतु

क्रम	विषयवस्तु	अंक
1	सामान्य एवं अद्यतन ज्ञान	10
2	संख्यात्मक, तर्क एवं समानता	10
3	मूलभूत भाषा (गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी)	10
4	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT)	10
5	गांधी जी की संक्षिप्त आत्मकथा	20
	कुल अंक	**60**

नोट - क्रम 1 से 4 हेतु विषयवस्तु का स्तर कक्षा 12 तक का होगा।

क्रम 5 हेतु नवजीवन प्रकाशन मंदिर द्वारा प्रकाशित गांधी जी की 'संक्षिप्त आत्मकथा' होगी। जिसे आप नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से डाउनलोड भी कर सकते हैं https://eshabda.online/navajivan/original/atmkathasgf/

नोट :

1. यदि कोई छात्र न्यूनतम योग्यता परीक्षा में उपस्थित हुआ है और परिणाम घोषित नहीं हुआ है तो छात्र संबंधित यूजी औरपीजी पाठ्य क्रम के लिए आवेदन कर सकता है और GEETAमें उपस्थित हो सकता है।
2. एक से अधिक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग-अलग आवेदन पत्र जमा करना होगा। ऐसे विद्यार्थियों को केवल एक बार ही GEETA टेस्ट देना होगा। GEETA के परिणाम स्कोर को आवेदन किए गए सभी पाठ्यक्रमों की योग्यता के लिए माना जाएगा।
3. यदि छात्र 31 अगस्त 2024 तक न्यूनतम योग्यता के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा करने में विफल रहता है, तो छात्र का प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
4. BPES, B.P.Ed., M.P.Ed., पाठ्यक्रम के लिए फिजिकल फिटनेस टेस्ट अनिवार्य है। यह टेस्ट गूजरात विद्यापीठ के शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, मुकाम- सादरा, तहसील-ज़िला-गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा।

परीक्षा केंद्र :

कच्छ	उत्तर गुजरात	मध्य गुजरात		दक्षिण गुजरात	सौराष्ट्र	
भुज	पाटण	अहमदाबाद	गोधरा	भरूच	अमरेली	पोरबंदर
	हिम्मतनगर	गांधीनगर	बोडेली	सुरत	भावनगर	राजकोट
	मेहसाणा	नडियाड	दाहोद	नवसारी	जामखंभालिया	सुरेंद्रनगर
	मोडासा	आणंद		राजपीपला	जामनगर	वेरावल
	पालनपुर	वडोदरा		सोनगढ	जूनागढ़	
				वलसाड		
				वांसदा		

अस्वीकरण : किसी भी कारणवश निश्चित किए गए परीक्षा केंद्र में परिवर्तन हो सकता है।

GEETAका आयोजन

प्रवेश परीक्षा की तारीख	11-05-2024, शनिवार
रिपोर्टिंग का समय	10:00 AM
हाजिरी एवं सूचनाएँ	सुबह 10:30से 10:55 तक
प्रवेश परीक्षा का समय	सुबह 11:00 से 12:30 बजे तक

उम्मीदवार हॉल टिकट 09.05.2024 गुरुवार को दोपहर 2:00 बजे के बाद डाउनलोड कर सकते हैं।

मेरिट सूची:

- सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश CUET/GEETA के अधीन होगा।
- एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी-2024 यूजी/पीजी या गूजरात विद्यापीठ द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा (GEETA) में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।
- मेरिट सूची बनाते समय गुणांक के आधार पर मेरिट क्रम दिया जाएगा।
- मेरिट सूची सीयूईटी मेरिट क्रम को प्राथमिकता देकर सीयूईटी और GEETA मेरिट क्रम पर विचार करके बनाई जाएगी।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए उपलब्ध आरक्षित सीटों के आवंटन के अनुसार मेरिट सूची के अनुसार छात्र को प्रवेश दिया जाएगा।
- आरक्षित सीटों का विषयवार आवंटन केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार किया जाएगा। नियमानुसार न भरी गई आरक्षित सीटों को सामान्य सीटों में परिवर्तित कर दिया जाएगा।
- जो अभ्यर्थी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार काउंसलिंग से अनुपस्थित हैं या जो प्रवेश से चूक गए हैं उन्हें केवल तभी प्रवेश दिया जाएगा यदि उस समय सीट उपलब्ध हो।
- यदि प्रवेश कार्यक्रम-2024 के अनुसार काउंसलिंग के समय सीयूईटी स्कोर उपलब्ध नहीं है, तो प्रवेश प्रक्रिया वर्ष के लिए गूजरात विद्यापीठ की प्रवेश समिति द्वारा निर्धारित सीटों की GEETA मेरिट सूची के अनुसार आयोजित की जाएगी-सीयूईटी अभ्यर्थियों के लिए 2024 विषयवार सीटें उपलब्ध रखते हुए। सीयूईटी गुणांक उपलब्ध होते ही उन सीटों के लिए काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। फिर भी, यदि सीटें खाली रह जाती हैं, तो सीटों की प्रवेश प्रक्रिया GEETA के मेरिट क्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।

नोट : प्रवेश के संबंध में नवीनतम (अद्यतन) जानकारी प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार समय-समय पर गूजरात विद्यापीठ की वेबसाइट www.gujaratvidyapith.org पर जा सकते हैं।

समान योग्यता अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के लिए अपनाए गए मानदंड

मानदंडI - अंतिम योग्यता परीक्षा के अंकों पर विचार किया जाएगा।

मानदंडII - पिछली योग्यता परीक्षा के अंकों पर विचार किया जाएगा।

मानदंडIII - प्रासंगिक विषय में अंक।

मानदंडIV - जिनकी जन्म तिथि पहले, होगी उन्हें पहले मौका मिलेगा।

नोट: उपरोक्त मानदंड लागू करने के बाद भी, यदि दो या दो से अधिक उम्मीदवारों के अंक समान हैं, तो गूजरात विद्यापीठ के कुलपति के पास असमानता को हल करने की विवेकाधीन शक्ति होगी। इस संबंध में कुलपति द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय सभी के लिए बाध्यकारी होगा और योग्यता निर्धारित करने के लिए अंतिम होगा।

आरक्षित सीटों का आवंटन : (केंद्र सरकार के अनुसार)

- अनुसूचित जाति (एससी) : 15%
- अनुसूचित जनजाति (ST) : 07 %
- सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग (एसईबीसी) : 27%

नोट: 1. कुल सीटों में से 10% सीटें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए होंगी।

2. विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम में 5% सीटें विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी।

(विकलांग व्यक्ति का अर्थ सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किसी भी विकलांगता के 40 प्रतिशत से कम नहीं होने वाला व्यक्ति है।)

परामर्शन और प्रवेश प्रक्रिया:

- जिन उम्मीदवारों को काउंसलिंग और प्रवेश प्रक्रिया के लिए बुलाया जाता है, उन्हें सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड सत्यापन के लिए स्व-सत्यापित प्रतियों के साथ निर्धारित तिथि और समय पर गूजरात विद्यापीठ परिसर, अहमदाबाद में उपस्थित होना आवश्यक है।
- यदि दस्तावेज़ सत्यापन के दौरान कोई विसंगति पाई जाती है, तो प्रवेश स्वतः रद्द कर दिया जाएगा।
- सरकार या किसी अन्य शीर्ष निकाय से प्राप्त किसी भी निर्देश के मामले में प्रवेश के समय परामर्शन का स्थान और तरीका बदला जा सकता है।
- काउंसलिंग और प्रवेश की तिथि पर संबंधित पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क और सत्र शुल्क जमाकर ने पर ही प्रवेश लिया हुआ माना जाएगा।

प्रवेश काउंसलिंग के समय उम्मीदवार को आवश्यक प्रमाण पत्र लाने होंगे

- मूल प्रमाणपत्र और उनकी स्वप्रमाणित प्रतियाँ।
- स्नातक प्रवेश के लिए कक्षा-12की मार्कशीट।
- स्नातकोत्तर के लिए स्नातक और पोस्टग्रेजुएट के लिए स्नातक परीक्षा की मार्कशीट।
- विद्यालय छोड़ने का प्रमाणपत्र।
- अनुसूचितजाति (एससी), अनुसूचितजनजाति (एसटी) और सामाजिक और शैक्षिक रूपसे पिछड़े वर्ग (एसईबीसी), आर्थिक रूपसे कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा नामित सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जातिप्रमाणपत्र।
- एसईबीसी के मामले में केंद्र सरकार द्वारा नामित सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी गैर-आपराधिक परत (एनसीएल) प्रमाणपत्र।
- विकलांग उम्मीदवार के मामले में शारीरिक विकलांगता प्रमाणपत्र, (सिविल सर्जन/सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी और विधिवत हस्ताक्षरित)

शुल्क संरचना

- पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय एकमुश्त गैर-वापसीयोग्य नामांकन शुल्क रु. 1,000/- का भुगतान करना होगा।
- प्रथम सत्र का शुल्क प्रवेश सुनिश्चित करते समय जमा करना होगा। किसी परिस्थिति में प्रवेश रद्द होने की स्थिति में, गूजरात विद्यापीठ के नियमों के अनुसार शुल्क वापस कर दिया जाएगा।

Sr. No.	Particular	UG	PG/PG Diploma
1	Tuition fees	2500	3000
2	Stationery / material fees	250	250
3	Sports and Cultural activities fees	250	250
4	EPC (Enhancing Professional Competency) fees	250	250
5	Library fees	250	250
	Total	**3500**	**4000**
6	Laboratory fees *for Science subjects, Computer, Physical Edu. **PG diploma in Audio Visual	*1000	*3000 **6000
	Total	**4500**	***7000** ***10000**

छात्रावास निवास

छात्रावास में प्रवेश पाने वाले छात्र को प्रति सेमेस्टर निम्नलिखित राशि का भुगतान करना होगा:

- निवास शुल्क : रु. 3,000/-
- भोजन शुल्क : रु. 15,000/-

छात्रवृत्ति

गूजरात विद्यापीठ, डीम्ड टू बी युनिवर्सिटी, केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है। इसमें प्रवेश पाने वाले छात्र आवश्यक मानदंडों और पात्रताओं के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार के निकायों द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं।

गूजरात विद्यापीठ की आचार संहिता

- पोशाक: प्रवेश प्राप्त छात्रों को सूती खादी की निर्धारित पोशाक पहननी होगी।
- उपासना : विद्यार्थी को नियमित रूप से उपासना में भाग लेना होता है।
- समूहजीवन : विद्यार्थी की दिनचर्या निश्चित समूह जीवन पर आधारित होगी।
- श्रम और सफ़ाई: छात्रों को प्रतिदिन सुबह/शाम श्रम और सफ़ाई में जुड़ना होता है।
- औद्योगिक कार्य: प्रत्येक छात्र को अध्ययन के भाग के रूप में एक निर्धारित औद्योगिक कार्य करना होता है।
- कताई: प्रत्येक विद्यार्थी को चरखे से नियमित रूप से कताई करनी होती है।
- छात्रावास: छात्रावास में रहना स्वैच्छिक है।
- कार्यअनुभव: छात्र को अपनी पढ़ाई के हिस्से के रूप में प्रासंगिक कार्य अनुभव प्राप्त करना होगा।
- फील्डवर्क : विद्यार्थी को विषय के अनुसार फील्ड वर्क करना होता है।

प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए संपर्क करें

- व्यक्तिगत रूप से : सुबह 09:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच
- ई-मेल : admission2024@gujaratvidyapith.org
- वेबसाइट : www.gujaratvidyapith.org
- सोशल मीडिया : YouTube @gvp1920

ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरते समय ध्यान रखने योग्य बातें

- प्रवेश प्रक्रिया मार्गदर्शिका डाउनलोड करें और उसे ध्यान से पढ़ें।
- आप जिस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं, ऑनलाइन आवेदन पत्र भरना शुरू करते समय उससे संबंधित सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
- ऑनलाइन फॉर्म भरने में जल्दबाजी न करें। आपके आवेदनमें जल्दबाजी करने से गलतियाँ होने और महत्वपूर्ण विवरण अधूरे रह जाने की संभावना है।
- आवेदन करने के लिए आखिरी तारीख तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है।इससे फॉर्म भरने में देरी हो सकती है।
- अपना नाम और संपर्क विवरण सही ढंग से भरें। आप अपना नाम अपने स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र या कक्षा-12 की मार्कशीट के अनुसार सही-सही भरें।
- ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपना स्वयं का ई-मेल, आईडी और अपना मोबाइल नंबर दें ताकि भविष्य में संपर्क करने में कोई कठिनाई न हो।
- यदि आपको साइबर कैफे या अन्य की मदद से अपना प्रवेश पत्र भरना है, तो सुनिश्चित करें कि विवरण सही और पूर्ण रूप से भरे गए हैं।
- मार्गदर्शिका में निर्देशित उपयुक्त साइज की अपनी अद्यतनफोटोर अपलोड करें।
- मोबाइल/आई-पैड/डिजी-कैम का उपयोग करके ली गई सेल्फी या फोटो अपलोड न करें।
- आवेदन पत्र भरने के लिए लैपटॉप या डेस्कटॉप का उपयोग करना अनिवार्य है।
- ब्राउज़र के नवीनतम संस्करण (Google Chrome, Mozilla Firefox)का उपयोग करना अनिवार्य है।
- प्रवेश प्रक्रिया शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/नेट बैंकिंग/यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है।

नोट : प्रवेश संबंधी सभी प्रकार की पूछताछ केवल ई-मेल admission2024@gujaratvidyapith.org के माध्यम से की जा सकती है।

गूजरात विद्यापीठ

आश्रम मार्ग, अहमदाबाद, गुजरात - 380 009
Phone: 079-27541148, 079-27540746, 079-40016200 Fax: 079-27542547
Website : www.gujaratvidyapith.org
@gvp1920